गोलालारीय समाज का मुखपत्र

श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास इन्दौर

golalariya.darshan@gmail.com
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com
9406744064

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/IDC/1252/2018-2020

मासिक
गोलालारीय दर्शन

लेट पोस्टिंग

अपनों के साथ अपनी बातें

सेवा में,

प्रतिभाशाली विशेषांक

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं । हृदय नहीं वह पत्थर है, जिसको समाज से प्यार नहीं ।

वर्ष : 9 अंक : 9 पृष्ठ संख्या : 8 माह – 15 जुलाई 2018 सहयोग राशी 1100/– देकर सदस्य बनें ।

हमें इन पर गर्व है इन्होंने परिवार व समाज का मान बढ़ाया

क्षितिज जैन, नोएडा
समता–आशीष जैन
12th - 96.6%
CBSE- Commerce

अर्पिता जैन, इन्दौर
अल्पना–पवनकुमार जैन
12th - 92.8%
CBSE - BIO

आरुषी जैन, विदिशा
शशि–विक्रम जैन
12th - 91.2%
Board - PCM

लय जैन, ललितपुर
अनिल कुमार जैन
JEE Advance
9th All India Rank

मयंक जैन, इन्दौर
आशा–विजय जैन
Salt Lake City (USA)
M.S. in Information System

प्रतिभाशाली बच्चों और उनके परिवार को गौरवांवित करने के उद्देश्य से गोलालारीय दर्शन प्रत्येक वर्ष मेधावी विद्यार्थियों की उपलब्धि का सचित्र प्रकाशन करता आया है। बच्चे हमारे परिवार व समाज का भविष्य है उनकी उपलब्धियों व प्रतिभा को पहचान दिलाने के लिए हमारा यह प्रयास सतत जारी रहेगा । हम प्रयासरत है कि समाज की प्रतिभाओं का यथोचित सम्मान हो । संपूर्ण समाज के सम्मुख उनकी उपलब्धियों को रख सके ताकि समाज के अन्य विद्यार्थी भी मार्गदर्शन प्राप्त कर नए आयाम बना सके ।

हमारे परिवार के बच्चों ने चाहे शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त की हो चाहे खेल, कला, लेखन व अन्य विधाओं में विशेष स्थान बनाया है । हमारा प्रयास रहेगा कि उनकी उपलब्धि को संपूर्ण समाज के सम्मुख रख गौरवांबित करना हमारा नैतिक दायित्व है हमें इस प्रयास से उनका मनोबल तो बढ़ेगा ही साथ ही भविष्य में नई ऊंचाईयां हासिल करने की भावना बनी रहेगी । हमारा प्रयास तभी सार्थक हो पायेगा जब बच्चों के सभी परिवारजन इस महायज्ञ में अपनी सहभागिता देवें उन्हें अपने प्रतिभाशाली बच्चों की जानकारी समय पर देना अति आवश्यक है ।

बच्चों की उपलब्धि से हमारे परिवार में खुशी के जो पल हमारे जीवन में आये है उन्हें अपने रिश्तेदारों तक शहर शहर पहुंचाने का काम यह पत्रिका निभा रही है । खुशी देने वाले ये पल जिन्हें याद कर हमें अपने बच्चों और परिवार पर जो गर्व होता है वह संपूर्ण जीवन का अस्मरणीय पल है जिसे एक दस्तावेज के रुप में आपके साथ रखने की हमारी मंशा है जिसे आप आजीवन अपने मन में संजोए रखेंगे । बच्चों के गुणों को समाज के सम्मुख लाने का प्रयास कुछ जागरुक माता पिता ही कर पाते है जो समय पर अपने बच्चों की उपलब्धि को पत्रिका तक समय रहते भेज देते है किन्तु अधिकांश इस और ध्यान ही नहीं देते है बारम्बार सूचना प्रेषित करने पर भी वे अपने बच्चों की उपलब्धियों को समाज के सामने रखने का समय ही नहीं निकाल पाते है ।

यह अंक उन मेघावी विद्यार्थियों की उपलब्धियों से सराबोर है जिन्होंने अपनी कक्षा में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त कर परिवार को गौरवांवित होने का अवसर प्रदान किया है । गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से सभी को कोटिश: शुभकामनाओं के साथ उज्जवल भविष्य की कामना करता है ।

– **साधना जैन,** आकाशवाणी, भोपाल

परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के परम आशीर्वाद और मुनिश्री क्षमासागरजी महाराज की प्रेरणा से आयोजित जैन युवा प्रतिभा सम्मान -2018

आवेदन आमंत्रित है.... मैत्री समूह प्रतिवर्ष समूचे भारतवर्ष में शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट योग्यता प्राप्त करने वाले जैन छात्र–छात्राओं को **''यंग जैना अवार्ड''** से सम्मानित करता है । वर्ष 2018 में 10वीं में 85%, 12वीं में विज्ञान संकाय में 80%, वाणिज्य, कला संकाय में 75% या उससे अधिक अंक अर्जित करने वाले और राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा अथवा प्रशासनिक सेवा में चयनित जैन छात्र–छात्राओं के आवेदन आमंत्रित है । अपना आवेदन फार्म 31 जुलाई 2018 के पूर्व www.MaitreeSamooh.com पर ऑनलाइन भर सकते है । खेलों में राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले, विकलांग या अपने राज्य में मेरिट सूची में स्थान पाने वाले छात्र/छात्राओं के लिए निर्धारित अंक सीमा की बाध्यता नहीं रहेगी । आवेदन फार्म की लिंक https://tinyurl.com/yja2018

आवेदन संबंधित पूछताछ 09425424985, 08897743363, 08983694093, 09773536530 मैत्री समूह 07694005092, 09425424984 आपसे निवेदन है कि इस संदेश को अपने व्यक्तिगत संर्पकों एवं जैन समूहों में प्रेषित करें जिससे सभी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को जानकारी मिल जाये और वे आवेदन कर सकें ।

प्रारुप की फोटोकॉपी भी मान्य है ।

बायोडॉटा प्रारुप – 2018

प्रविष्टी शुल्क का विवरण अवश्य लिखें
नियमावली पीछे अंकित है ।

1. क्रमांक
2. प्रत्याशी का पूरा नाम (पिता सहित) ______
3. स्वयं / मामा का गोत्र ______ / ______
4. जन्म दिनांक ______
5. जन्म समय (रेलवे समयानुसार) ______
6. जन्म स्थान ______
7. शिक्षा ______
8. कद / वजन ☐ फीट ☐ इंच / ☐ किलो
9. वर्ण ______
10. व्यवसाय / नौकरी ______
11. वार्षिक आय ______
12. कुंडली मिलान – हॉ ( ) / नहीं ( )
13. मंगली – हॉ ( ) / नहीं ( )
14. पत्र व्यवहार का पता ______
15. फोन / मोबाईल नं. ______
16. संपर्क सूत्र (सिर्फ 1) ______

फोटो के पीछे अपना नाम व शहर का नाम अवश्य लिखे

प्रत्याशी का नवीन फोटो प्लास्टिक की थैली फार्म के साथ संलग्न करें ।

युवा पीढ़ी को तनाव और अनिद्रा से बचाएं : आचार्य श्री ज्ञानसागर

विशाल जैन, पवा । परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के संयम स्वर्ण महोत्सव वर्ष के उपलक्ष्य में परम पूज्य सराकोद्धारक, षष्ठम पट्टाचार्य, आचार्य श्री 108 ज्ञानसागर जी महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से श्रुत संवर्धन संस्थान, मेरठ, संस्कृति संरक्षण संस्थान दिल्ली के तत्वावधान में श्रुत संवर्धन ज्ञान संस्कार शिक्षण शिविरों का आयोजन टीकमगढ़, झांसी, ललितपुर के विभिन्न अंचलों में 4 से 13 जून 2018 तक बड़े ही उत्साह से आयोजित हुए, सभी शिविरों का सामूहिक समापन समारोह श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र करगुवांजी में 13 जून को उत्साह पूर्वक आयोजित किया गया । समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीयमंत्री प्रदीप जैन आदित्य तथा विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री हरगोविंद कुशवाहा रहें । सर्व प्रथम मंचासीन अतिथियों ने चित्र अनावरण और दीप प्रज्वलित किया । मंगलाचरण करगुवां जी में आयोजित शिविर के शिविरार्थियों ने संगीतमयी नृत्य के साथ किया। झांसी, टीकमगढ़, ललितपुर, जखौरा, तालबेहट, गुरसराय, सकरार, पृथ्वीपुर, निवाड़ी आदि में आयोजित इन शिविरों में ज्ञान दर्पण भाग 1, 2 छहडाला, भक्तामर स्त्रोत, तत्वार्थ सूत्र, द्रव्य संग्रह आदि में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 210 मेधावियों को पुरस्कृत किया गया । इस अवसर पर करगुवां जी के बच्चों द्वारा प्रस्तुत नाटिका और टीकमगढ़ के बच्चों द्वारा प्रस्तुत नृत्य को सभी ने खूब सराहा ।

इस अवसर पर उक्त शिविरों में अध्यापन कराने वाले श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर, श्रमण ज्ञान भारती मथुरा, स्वादवाद महाविद्यालयों बनारस आदि के विद्वानों को सम्मानित किया गया । ब्र. अनिता दीदी ने समारोह को संबोधित करते हुए मोबाइल से होने वाली हानियों के बारे में चर्चा करते हुए रात्रि में 10 बजे के बाद मोबाईल प्रयोग न करने का संकल्प दिलाया और भोजन करते हुए टीवी न देखने की सभी से अपील की । उन्होनें आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के विराट व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला । दीदी ने जीवन को आदर्श बनाने के लिए सभी को अपनी ओजस्वी वाणी में प्रेरणा दी । इस दौरान अनेक लोग संकल्पित हुए ।

शिविर समिति के मुख्य संयोजक ब्र. जय कुमार निशान्त जी टीकमगढ़ ने कहा कि परम पूज्य आचार्य श्री 108 ज्ञानसागर जी महाराज की प्रेरणा से सन 2000 से 12 राज्यों के 1000 स्थानों पर ये शिविर आयोजित हुये, जिनसे महती प्रभावना हुई है । आचार्य श्री की प्रेरणा से ये जो शिविर ज्ञानरथ प्रतिवर्ष आयोजित होते हैं उनसे समाज में एक नई चेतना जागी है ।

परम पूज्य सराकोद्धारक आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज ने इस अवसर पर अपने मंगल उदबोधन में कहा कि किस सभी उत्तम जीवन शैली अपनाने का संकल्प लें । प्रतिदिन मंदिर जाकर भगवान के दर्शन करें । टीवी देखते हुए भोजन न करें । फास्ट फूड खाने से बचें । अपने माता पिता की आज्ञा का पालन करते हुए देश व समाज के हित में कार्य करने के लिए संकल्पित हों । उन्होनें कहा कि भौतिक सुविधाओं को जुटा लेने और अच्छे स्कूलों में दाखिला लेने के बाद भी 40 प्रतिशत बच्चों में डिप्रेशन और नींद न आने की शिकायत हो रही मोबाईल, इंटरनेट की लत ने युवा पीढ़ी के लिए घातक है । अत: जरूरी है कि भारतीय संस्कृति के अनुरूप जीवन जिया जाय । मोबाइल, इंटरनेट की लत ने युवा पीढ़ी को बहुत हानि पहुंचाई है । देर रात्रि तक मोबाइल का उपयोग स्वास्थ्य और मस्तिष्क के लिये हानिकारक है । अभिभावकों से मेरा कहना है कि युवा पीढ़ी को इससे बचाएँ । इन शिविरों के माध्यम से पाश्चात्य की ओर बढ़ रही युवा पीढ़ी को नैतिक शिक्षा देकर उन्हें संस्कारित करना हमारा उद्देश्य है ।

विशिष्ट अतिथि राज्यमंत्री श्री हरगोविंद जी कुशवाहा ने कहा कि परिवाररूपी पाठशाला में बच्चा अच्छे और बुरे का अन्तर समझाने का प्रयास करता है, जब इस पाठशाला के अध्यापक अर्थात माता-पिता, दादा-दादी संस्कारी होंगे, तभी बच्चो के लिए आदर्श उपस्थित कर सकते हैं । आजकल माता-पिता स्वयं दोनो ही व्यस्तता के कारण बच्चों में सुसंस्कारों के सिंचन जैसा महत्वपूर्ण कार्य उपेक्षित हो रहा है । माता-पिता स्वयं को योग्य एवं सुसंस्कृत बनावें । इन शिविरों के माध्यम से जहां बच्चे संस्कारित होंगे वही उनके अभिभावक भी सांस्कारिक होंगे । आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज युवा पीढ़ी को सार्थक दिशा दिखा रहे हैं । उनका यह परम उपकार हम सभी के लिए वरदान है ।

पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य ने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति से लुप्त होते नैतिक संस्कार, विलुप्त होते आदर्शों को पुन: जीवित करने के लिए इन शिक्षण शिविरों का आयोजन होता आ रहा है । उन्होनें आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के द्वारा जैन संस्कृति के उन्नयन के लिए दिए जा रहे योगदान को स्तुत्य, अभिनंदनीय और प्रेरणादायी बताया ।

जैन पंचायत ललितपुर के अध्यक्ष श्री अनिल जैन अंचल ने कहा कि मानव जीवन में संस्कारों का बड़ा महत्व है । संस्कार संपन्न संतान ही गृहस्थाश्रम की सफलता और समृद्धि का रहस्य है । प्रत्येक गृहस्थ अर्थात माता-पिता का परम कर्तव्य बनता है कि वे अपने बालकों को नैतिक बनायें और कुसंस्कारों से बचाकर बचपन से ही उनमें अच्छे आदर्श तथा संस्कारों का ही बीजारोपण करें । आचार्य श्री ज्ञानसागर जी ने शिविरों के माध्यम से संस्कारित करने का जो यह बीड़ा उठाया है यह दूरगामी परिणाम लाएंगे । ज्ञान माइनॉरिटी एजुकेशन एण्ड वेलफेयर फाउण्डेशन के महामंत्री श्री प्रवीण जैन झाँसी ने कहा कि उत्तर प्रदेश, मध्यप्रेदश, राजस्थान, महाराष्ट्र, बंगाल, छत्तीसगढ़ आदि विभिन्न राज्यों में ग्रीष्मकाल में धार्मिक एवं नैतिक शिक्षा प्राप्त करके युवा पीढ़ी को स्वर्णिम भविष्य का मार्ग प्राप्त हो रहा हैं । अध्यक्षता जैन पंचायत झाँसी के अध्यक्ष की प्रकाश चंद जैन एडवोकेट ने की । समारोह का संचालन शिविर समिति के सह निर्देशक द्वय डॉ. निर्मल शास्त्री टीकमगढ़ और डॉ. सुनील जैन संचय ललितपुर ने संयुक्त रूप से किया । झाँसी जैन पंचायत की ओर से आभार महामंत्री प्रवीण जैन दैनिक विश्वपरिवार ने और शिविर समिति की ओर से सुनील प्रसन्न शास्त्री नागौद ने व्यक्त किया ।

नित्यता जैन ने कॉमनवेल्थ चेस चैम्पियनशिप में कांस्य जीता

इन्दौर की लाड़ली बेटी 14 वर्षीय अंतर्राष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ी नित्यता जैन ने नई दिल्ली में संपन्न हुई कॉमनवेल्थ चेस चैम्पियनशिप में अंडर 14 गर्ल्स में भारत के लिए कांस्य पदक जीता । इसके पूर्व दि. 8 जून को वर्ल्ड चैस फेडरेशन (फिडे) द्वारा अधिकारिक रुप से ''वुमन कैंडिडेट मास्टर'' के इंटरनेशनल टाइटल से नवाज़ा गया है यह टाइटल प्राप्त करने वाली वह मध्यप्रदेश की पहली महिला शतरंज खिलाड़ी है एवं एक बार फिर नित्यता ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने शहर, राज्य एवं देश को गौरवांवित किया है । हाल ही में ऋषभदेव गौरव न्यास के भव्य समारोह में आपको सम्मानित किया गया है ।

हार्दिक बधाई

श्रीमती संतोष जैन

श्रीमती संतोष जैन पिछले 10 वर्षों से आनंद मूक बधिर विद्यालय में अपनी सेवायें दे रही है । मूकबधिर बच्चें जो सुन व बोल नहीं पाते है उन बच्चों को सांकेतिक भाषा में एम.पी. बोर्ड की कक्षाएँ लेती है हाल ही में इन्होंने मूकबधिर में स्पेशल बी.एड. किया है इसके साथ ही आप गत 8 वर्षों से आकाशवाणी, रेडियो पर वार्ता कार्यक्रम संयोजित करती है ।

विवाह योग्य युवक युवती परिचय विशेषांक अक्टूबर 2018 में

गोलालारीय दर्शन के माध्यम से हमारा सदैव यही प्रयास रहा है कि समाजजनों को सामाजिक व अन्य जानकारियां सहज ही उपलब्ध करा सके । हमनें इस माध्यम को कभी भी आय का साधन नहीं माना है । गत 8 वर्षों से गोलालारीय दर्शन पत्रिका निरंतर वित्तीय घाटे सहन करने के पश्चात भी पत्रिका के 5-6 अंक प्रतिवर्ष 4000 परिवार को निरंतर प्रेषित किये जा रहे है यहां खेदपूर्वक कहना पड़ता है कि इन 4000 परिवारों में से कुछ परिवारों ने ही 2000 रुपये से अधिक की राशि का सहयोग देकर सदस्य बने है जबकि आप सभी जानते है कि आज हमारे समाज में एक से बढ़कर एक धनाढ्य लोग है जो मांगलिक एवं धार्मिक कार्यों में लाखों रुपये खर्च कर देते है । आपको कभी भी महसूस हो कि गोलालारीय दर्शन समाज के लिए उपयोगी है तो आर्थिक सहयोग प्रदान कर हमारा संबल अवश्य बढ़ाये । हमें सदैव आपके सहयोग का इंतजार रहेगा । जहां धर्म के लिए लाखों रुपये दे रहे है वहां पर अपनी समाज की एक अच्छे प्रयास के लिए हजारों रुपये देकर आर्थिक संबल प्रदान करेंगे तो आने वाली पीढ़ियां सदैव आपको सदैव याद करेगी । हम समाज के समस्त परिवारो को फिर भी निरंतर अंक भेजने का प्रयास करते रहेंगे । गोलालारीय दर्शन के विवाह योग्य युवक युवती के प्रथम व द्वितीय **'प्रयास'** की उपलब्धियों को ध्यान में रख यह निर्णय लिया है कि प्रयास पुस्तिका एक वर्ष छोड़कर प्रकाशित किया जावेगी ताकि समाजजनों को नवीन प्रत्याशियों की जानकारी उपलब्ध हो सके । **इसी तारतम्य में वर्ष अक्टूबर 2018 का गोलालारीय दर्शन का अंक हमारा विवाह योग्य युवक युवती परिचय विशेषांक होगा । प्रविष्टी सशुल्क 350 रुपये (चेक/ट्रांसफर) प्रति प्रविष्टि शुल्क के साथ 10 सितम्बर 2018 तक हमारे कार्यालय 16, महारानी रोड़, या 64 न्यू देवास रोड़, इन्दौर पर भेज सकते है व** हमारे ईमेल golalariya.darshan@gmail.com पर या वाट्सएप्प सुविधा नंबर 9406744064 पर बायोडाटा प्रारुप बैंक में जमा रसीद के साथ भेज सकते है । **अंक की प्रति आपको मधुर कोरियर/स्पीड पोस्ट से निश्चित रुप से भेजी जावेगी । गोलालारीय संचार सेवा का वाट्सएप्प नंबर 9406744064 चर्चा हेतु उपलब्ध नहीं है ।** संपर्क सूत्र - राजेन्द्र जैन 9424013136, बाहुबली जैन 9405903301, कोमलंचद जैन 9329524227।

प्रविष्टि पंजीयन राशि जमा करने हेतु आप अपना ड्राफ्ट/मल्टीसिटी चैक इस नाम से भरे -

हिन्दी में - ''गोलालारीय दर्शन'' इन्दौर

अंग्रेजी में - "GOLALARIYA DARSHAN", Indore

प्रविष्टि पंजीयन राशि आप हमारे बैंक एकाउंट में ट्रांसफर कर सकते हैं तथा रसीद की फोटोकॉपी फार्म के साथ अनिवार्य रुप से भेजे ।

* बैंक का नाम - स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
* खाता क्रमांक - 63048875855
* IFSC code : SBIN0030134
* ब्रांच - नगर निगम शाखा, इन्दौर

प्रविष्टि शुल्क
₹ 350/-

ईमेल golalariya.darshan@gmail.com

इस विशेषांक की जानकारी अपने इष्ट मित्रों सहित समाजजनों को देने का कष्ट करें ताकि वे भी लाभांवित हो ।

भारतीय संस्कृति के दैदीप्यमान नक्षत्र आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज

डॉ. सुनील जैन 'संचय', ललितपुर । परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज न केवल श्रमण संस्कृति के दैदीप्यमान नक्षत्र है बल्कि पूरी भारतीय संस्कृति को उन्होनें अपनी साधना के बल गौरान्वित किया है । अध्यात्म सरोवर के राजहंस, सम्यग्दर्शन - ज्ञान - चारित्र के महानद, साधना के सुमेरू, भारतीय संस्कृति के अवतार, संत शिरोमणि महाकवि आचार्य श्रेष्ठ विद्यासागर जी महाराज दिगम्बर जैन परंपरा के ऐसे महान संत है, जो सही मायने में साधना, ज्ञान, ध्यान व तपस्यारत होकर आत्मकल्याण के मार्ग पर सतत अग्रसर है । वे पंचमकाल में चतुर्थकाल सम संत है । महाप्रज्ञ आचार्यश्री की तपस्तेज सम्पन्न एवं प्रसन्न मुख मुद्रा प्राय: सभी का मन मोह लेती है । आचार्यश्री के कंठ में भी आपने गुरू के समान ही सरस्वती का अनुपम निवास है । आचार्यश्री की पावन वाणी सत्यं, शिवं सुन्दरं की विराट अभिव्यक्ति तथा मुक्ति द्वारा खोलने में सर्वथा सक्षम है । उन्होनें अपनी अनवरत साधना से जीवन की कलात्मकता को भारतीय संस्कृति के अनुरूप अभिव्यक्त किया है । परंपरागत धार्मिक व सांस्कृतिक धारणाओं में व्याप्त कुरीतियों एवं विघटन को समझकर वे उन्हें हटा देने को व्याकुल है । इसीलिए धर्म की वैज्ञानिक, सहज, सरल व्याख्या आचार्यश्री ने उपलब्ध कराई है ।

कलयुग में भी यह सतयुग, गुरूवर के नाम से जाना जाएगा ।
कभी महावीर की श्रेणी में, गुरूवर का नंबर आयेगा ।।

वर्तमान युग के महावीर आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का 50वां मुनिदीक्षा दिवस सम्पूर्ण देश सम्पूर्ण देश संयम स्वर्ण महामहोत्सव वर्ष के रूप में विविध आयोजनों के साथ मनाया । यह हम सब का परम अहोभाग्य, परम सौभाग्य है कि हमें ऐसे महान आचार्य श्री का संयम महोत्सव मनाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है ।

आचार्यश्री के संयम स्वर्ण महोत्सव वर्ष के पावन प्रसंग के विराट बेमिसाल और अद्भुत महनीय अर्चनीय व्यक्तित्व पर एक संक्षिप्त दृष्टि :

दिग्गज राजनेता आचार्यश्री के चरणों में : आज जहां तथाकथित बाबाओं के प्रकरणों के कारण संत समाज को कटघरे में खड़ा किया जा रहा है वहीं हमारे पूज्य आचार्यश्री अपनी त्याग, तपस्या और साधना से पूरे विश्व को बता रहे हैं कि आज भी सच्चे संतों की कमी नहीं है । आज संतो के सम्मान को बचाने में आचार्यश्री का नाममात्र ही काफी है । यही वजह है के देश की राजनीति के धुरंधर आचार्यश्री के चरणों में आकर अपने आपको धन्य महसूस करते है । उनका दर्शन पाकर वे अपने जीवन को सार्थक मानते हैं । वर्ष 1999 में गोम्मटगिरी, इंदौर में देश पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी जब वर्तमान लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन के साथ पहुंचे थे तो आचायश्री के दर्शन पाकर गदगद हो उठे थे । देश के पहले नागरिक राष्ट्रपति महामहिम श्री रामनाथ कोविंद तो जब राज्यपाल थे तब भी दर्शनार्थ गये थे और राष्ट्रपति बनने के बाद भी । पूर्व उपराष्ट्रपति श्री भैरोसिंह शेखावत भी आचार्यश्री के प्रति बहुत ही आस्था रखते थे । देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2016 में भोपाल चातुर्मास के समय आचार्यश्री से आशीर्वाद ग्रहण करने पहुंचे थे । मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तो आचार्यश्री के विराट व्यक्तित्व से बहुत ही प्रभावित रहते हैं यही वजह है कि जब-तब आचार्यश्री के चरणों में पहुंचते रहते हैं । उन्होंने आचार्यश्री का प्रवचन भी विधानसभा में कराया जो उनकी आचार्यश्री के प्रति आस्था को दर्शाता है । इसके अलावा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रमनसिंह जी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह जी, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह जी, उमाभारतीजी अनेक केन्द्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यपाल, राज्य मंत्री, सांसद, विधायक आचार्यश्री के चरणों में पहुंचकर आशीर्वाद और मार्गदर्शन लेते रहते हैं । योगगुरू बाबा रामदेव जी, आरएसएस के मोहनभागवत जी आदि अनेक हस्तियां आचार्यश्री से आशीर्वाद ग्रहण कर चुके हैं ।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को गति दे रहे हैं आचार्यश्री : इन दिनों भारत सरकार द्वारा चलाया जा रहा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की खूब चर्चा है । आचार्यश्री का इस अभियान को सफल बनाने में जो अवदान है वह भुलाया नहीं जा सकता है । आचार्यश्री की प्रेरणा से बेटियों की शिक्षा को शिखर पर ले जाने के उद्देश्य से बालिकाओं की शिक्षा के लिए प्रतिभास्थली का निर्माण देश के विभिन्न स्थानों पर किया है और यह कार्य निरंतर जारी है । बेटियां प्रतिभास्थली में पढ़कर के अपनी प्रतिभा को निखार रही हैं और संस्कारों से युक्त शिक्षा पा रही है । आचार्यश्री का सपना है कि बेटियों की शिक्षा के लिए और लड़कों की शिक्षा के लिए अलग-अलग शिक्षा केन्द्र हों, उसी उद्देश्य को लेकर आज छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़, महाराष्ट्र के रामटेक, मध्यप्रदेश के जबलपुर, इंदौर और अतिशय क्षेत्र पपौरा जी में प्रतिभास्थली संचालित की गई है । इन प्रतिभास्थलियों पर आचार्यश्री का सपना साकार होते देखा जा सकता है । यह समाज की नहीं देश के लिए मील का पत्थर साबित होंगी ।

गौशालाओं की स्थापना से जीवदया का संदेश हुआ मुखर : कृषि प्रधान अहिंसक देश में गौवंश आदि पशुधन को नष्ट कर मांस निर्यात किया जा रहा है, ऐसी स्थिति में आचार्यश्री ने हिंसा के ताण्डव के बीच अहिंसा का शंखनाद किया । आचार्यश्री की पावन प्रेरणा से देशभर में शताधिक गौशालाएं चल रही है, जिनमें उन बेजुबान पशुओं को आश्रय देकर उनकी रक्षा की जा रही है । आचार्यश्री हमेशा अपने प्रवचनों में कहते हैं कि गौधन की रक्षा हो तभी हमारा देश सुरक्षित रहेगा ।

हथकरघा से स्वदेश प्रेम की भावना का उद्घोष : आचार्यश्री हमेशा स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग की प्रेरणा देते है । हथकरघा उनकी इस भावना को साकार रूप कर रहा है । आज अनेक स्थानों पर हथकरघा उद्योग स्थापित हो चुका है । इसमें अनेक त्यागीव्रती भी अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं देने में संलग्न हैं । हथकरघा से जहां स्वदेश प्रेम की भावना को बल मिल रहा है वहीं सैकड़ों लोगों को रोजगार भी उपलब्ध हो रहा है । जेलों में कैदी भी इस कार्य को बड़ी ही रूचि पूर्वक कर रहे हैं । गरीबों की आजीविका हथकरघा केन्द्र बन रहे हैं । यह महत्वपूर्ण कार्य बड़ी ही तेजी से आगे बढ़ रहा है ।

तीर्थों के उद्धारक : आचार्यश्री की प्रेरणा से अनेक तीर्थक्षेत्रों का निर्माण हुआ है । अनेक क्षेत्रों का कायाकल्प हुआ है । छत्तीसगढ़ के अमरकंटक में सर्वोदय तीर्थक्षेत्र, चंद्रगिरी डोंगरगढ़, भाग्योदय सागर, दयोदय तीर्थ जबलपुर, सिद्धोदय तीर्थ नेमावर आदि तीर्थस्थल हैं इनके अतिरिक्त तीर्थक्षेत्रों पर आचार्यश्री के आशीर्वाद से जीर्णोद्धार के कार्य होने से उन क्षेत्रों का कायाकल्प होते हुए देखा जा सकता है ।

महापुरुष के विशाल कृतित्व से भारतीय साहित्य हुआ समृद्ध : आज तक के इतिहास में किसी भी संस्कृत के विद्वान ने पांच शतक से ज्यादा संस्कृत भाषा में नहीं लिखें हैं किंतु आचार्यश्री ने अपनी लेखनी से संस्कृत भाषा में छह शतक लिख एक नूतन इतिहास की संरचना की है । आपने ज्ञान, ध्यान, तप के यक्ष में अपने आपको ऐसा आहूत किया कि अल्पकाल में ही प्राकृत, संस्कृत, अपभ्रंश, हिंदी, अंग्रेजी, मराठी, कन्नड़ भाषा के मर्मज्ञ साहित्यकार के रूप में प्रसिद्ध हो गये । आपने प्राचीन जैनाचार्यों के 25 प्राकृत-संस्कृत ग्रंथों का हिंदी भाषा में पद्यानुवार कर पाठकों को समरसता प्रदान की है । आपके द्वारा रचित हिन्दी भाषा में लघु कविताओं के चार संग्रह ग्रंथ - नर्मदा का नरम कंकर, तोता क्यों रोता, डूबो मत लगाओ डूबकी, चेतना के गहरा में, ये कृतियां साहित्य जगत में काव्य सुषमा को विस्तारित कर रही है ।

कालजयी कृति मूकमाटी : आचार्यश्री की रचना मूकमाटी उत्कृष्ट काव्य कृति है । यह महाकाव्य है । 'विद्वानों का मानना है कि भवानी प्रसाद मिश्र की सपाट बयानी, अज्ञेय का शब्द विन्यास, निराला की छान्दसिक छटा, पंत का प्रकृति व्यवहार, महादेवी की मसृण गीतात्मकता, नागार्जुन का लोग स्पन्दन, केदारनाथ अग्रवाल की बतकही वृत्ति, मुक्तिबोध की फैंटेसी संरचना और धूमिल की तुक संगति आधुनिक काव्य में एक साथ देखनी हो तो वह 'मूकमाटी' में देखी जा सकती है ।' इस महाकाव्य पर अनेकों स्वतंत्र आलोचनात्मक ग्रंथों के अतिरिक्त 4डी लिट, 22 से अधिक पी-एच.डी., 7एम.फिल के शोध प्रबंध तथा 2 एम.एड. और 6 एम.ए. के लघु शोध प्रबंध लिखे जा चुके हैं । हाल ही में मध्यप्रदेश के पाठ्यक्रम में इसके कुछ अंश को शामिल करने का निर्णय भी लिया गया है । इस महाकाव्य पर निरंतर शोधकार्य और लेखन अनवरत रूप से जारी है । इस कृति ने भारतीय साहित्य भंडार को गौरव प्रदान करते हुए जो समृद्धता प्रदान की है वह अकल्पनीय है ।

चेतनकृतियों के निर्माता : आचार्यश्री के दिव्य तेजोमय आभा मंडल के प्रभाव से उच्च शिक्षित युवा, युवतियां जवानी की दहलीज पर आपके श्री चरणों में सर्वस्व समर्पित बैठे । संस्कार सागर के जून 2018 अंक में प्रकाशित विवरण के अनुसार आचार्यश्री ने अब तक 120 मुनि दीक्षायें प्रदान की है। आचार्यश्री से दीक्षा लेने वाले 7 राज्यों के साधकगण हैं, जिनमें कर्नाटक के 9 मुनिराज, महाराष्ट्र के 15, गुजरात के 3, उत्तरप्रदेश के 9, राजस्थान के 2, झारखण्ड के 1 और मध्यप्रदेश के 81 मुनिराज हैं । आचार्यश्री ने अब तक 172 आर्यिकाओं को दीक्षा प्रदान की है । जिनमें मध्यप्रदेश की सर्वाधिक 146 आर्यिकायें है । 120 मुनि, 172 आर्यिकायें, 57 ऐलक, 64 क्षुल्लक, 3 क्षुल्लिका, कुल मिलाकर 415 दीक्षाएं प्रदान की हैं । आचार्यश्री की इन चेतन कृतियों ने जो त्याग, तपस्या और साधना की छटा बिखेरी हैं । आचार्यश्री पचास हजार किलोमीटर से ज्यादा पदयात्रा कर अनेक राज्यों में धर्मप्रभावना का झण्डा बुलंद कर चुके हैं ।

हाइकू का आध्यात्मिक सौंदर्य : आचार्यश्री की जापानी भाषा की कविता हाइकू पर रचनाएं बड़ी ही रोचक और ग्रहणीय प्रेरणादायी हैं । हाइकू जापानी छंद की कविता है । इसमें पहली पंक्ति में 5 अक्षर हैं, दूसरी पंक्ति में 7 अक्षर है, तीसरी पंक्ति में 5 अक्षर हैं । महाकवि आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज ने लगभग 500 हाइकू लिखे हैं । आचार्यश्री की हाइकू अन्य रखनाकारों की हाइकू से बिल्कुल पृथक नजर आती हैं, जिसका बहुत बड़ा कारण है संयममय जीवन । उनकी अनुभूतियों से निष्पन्न जापानी छंद हाइकू की ये रचनाएं उन्हें विश्व के विशाल पटल पर स्थापित करती है ।

इण्डिया नहीं भारत बोलो : परम पूज्य आचार्यश्री का कहना कि भारत को इंडिया नहीं कहना चाहिए, भारत कहना चाहिए । इण्डिया का कोई मतलब नहीं है । यह अर्थहीन नाम है । जबकि भारत नाम एक परंपरा का है, यह एक संस्कृति का नाम है । भारतीय देश के लिए अंग्रेजी का नाम का इस्तेमाल होना दुर्भाग्यपूर्ण है । भारत शब्द में एक ताकत है । इस देश के हर व्यक्ति का दिल इस शक्ति से गूंजना चाहिए । आचार्यश्री का कहना है कि भारत का नाम पहले भी था, अभी भी है और आगे भी रहेगा । भारत को इंडिया कहने वाले इसकी संस्कृति से अनभिज्ञ है । हम सभी को अपने देश का नाम भारत के नाम से सम्बोधित करना चाहिए । इंडिया हटाओ, भारत बचाओ । आचार्यश्री के इस अभियान को लोगों ने हाथोहाथ लिया है और लाखों लोग भारत का प्रयोग करने लगे हैं ।

पंचमकाल का आश्चर्य है उनकी कठोर - चर्या : वर्तमान समय में आचार्यश्री का संघ सम्पूर्ण देश का सबसे बड़ा दिगम्बर जैन साधु संघ है, संघ में संघ के नाम का कोई वाहन आदि नजर नहीं आता । टीवी, मोबाइल, लैपटॉप आदि आधुनिक सुविधा साधु के कमरे में नहीं दिखती । संघ में सभी संत, साधु शिक्षित, संस्कारी, बाल ब्रह्मचारी हैं । धर्म चर्चा में ही अपना समय लगाते है । विहार के समय भक्तगण बड़ी संख्या में मार्ग में चौका लगाकर आहारदान देते हैं और पुण्य लाभ लेकर साथ-साथ हजारों का जनसैलाब चलता है । महत्वपूर्ण बात यह है कि इनके संघ में संघपति की तो बात दूर है, कोई भी निजी चौका लेकर साथ नहीं चलता, चौका कितना आसान मात्र दाल-फुलका, न सब्जी, न फल, न घी, क्या लिखें, क्या न लिखें ? जहां-जहां संघ का प्रबास होता है, वहां-वहां सैकड़ों की संख्या में लोग चौका लगाने उमड़ पड़ते हैं । आचार्य श्री के संघ सामायिक, प्रतिक्रमण, स्वाध्याय आदि सभी क्रियाओं का समय निर्धारित है । सभी समय से सारी क्रियाएं संपादित करते हैं । चाहे कितनी ही तेज गर्मी हो या कितनी ही कड़कड़ाती ठंड, संघ के किसी साधु के कमरे में कूलर, एसी, हीटर देखने को नहीं मिलते । न पंखे का उपयोग करते, न ही मच्छर भगाने वाले किसी ऑयल या क्वाईल का उपयोग करते, धन्य है ऐसी साधना । किसी तरह के तंत्र, मंत्र ताबीज आदि की क्रियाओं से आचार्यश्री का संघ अछूता है । पूरा संघ एक ही आचार्य के अनुशासन में चलता है । संघ में दीक्षा गहन स्वाध्याय, साधना, त्याग आदि के बाद दी जाती है ताकि श्रमणाचार का पालन निर्दोष कर सकें । आचार्यश्री स्वयं बाल ब्रह्मचारी है तथा उनका पूरा संघ भी बाल ब्रह्मचारी है, जो इस पंचमकाल में किसी आश्चर्य से कम नहीं है । सही मायने में अतिथि तो आचार्यश्री ही हैं । किसी को पता नहीं होता कि आचार्यश्री का पग विहार किस ओर होगा । सभी बस अपना-अपना गणित लगाते हैं ।

जब तक सृष्टि के अधरों पर, करूणा का पैगाम रहेगा ।
तब तक युग की हर धड़कन में, विद्यासागर का नाम रहेगा ।।

आचार्यश्री को पाकर लगता है न जाने कितने जन्मों का पुण्य आज फलित हो रहा है । आचार्यश्री चलते फिरते तीर्थ हैं । उनके तेज दमकते हुए आभामंडल और मुस्कान को देखकर हजारों लोगों के दुख दूर हो जाते हैं । आचार्यश्री के दर्शन जो भी करता है वह धन्य हो जाता है । उनकी दिव्य देशना में जो अमृतवाणी झरती है उसे पान कर हजारों लोगों की प्यास बुझती है । आचार्यश्री की हर चर्या अतिशय-सी दिखती है । उनकी मंगल वाणी खिरते समय जो शांति का अमृत बरसता है, चारों ओर एक अजीब-सा सन्नाटा, मात्र आचार्यश्री की अनुगूंज सुनायी देती है । सचमुच अद्भुत और निराले संत हैं आचार्यश्री ।

आचार्यश्री के सपने को साकार करने में हजारों-लाखों युवा लगे हुए हैं हम सब मिलकर आचार्यश्री के इस संयम स्वर्ण महामहोत्सव वर्ष के अवसर पर अपने गुरूदेव के सपनों को साकार करने में अपनी भूमिका को ईमानदारी से निभायें, तभी हम सबका संयम स्वर्ण महोत्सव वर्ष मनाना सार्थक होगा । किसी कवि की यह पंक्तियां आचार्यश्री विराटता को व्यक्त करती है -

कुन्दकुन्द के समयसार का सार हमें जो बता रहे,
समन्तभद्र का डंका घर-घर, द्वार-द्वार बजा रहे ।
भोले-भाले अनाथ जन के जो हैं पावन धाम,
ऐसे विद्यासागर गुरूवर को हमारा शत-शत प्रणाम ।।

(मुनिश्री विद्यासागरजी महाराज के 50वें संयम स्वर्ण महोत्सव के शुभ अवसर पर आप सभी को हार्दिक बधाईयाँ)

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ....

आदित्य, ललितपुर
नेहा-अभिषेक जैन
1ली - 99%

नीर, पन्ना
मन्जुला-प्रदीप जैन
1ली - ए1

सर्वज्ञ, इन्दौर
अश्विनी-नितिन जैन
1ली - ए1

अवनी, इन्दौर
सीमा-नवीन जैन
1ली - ए1

आरव, अहमदाबाद
रश्मि-आलोक जैन
1ली - ए+

अर्नव, उज्जैन
प्रतिभा-आशीष जैन
1ली - ए1

जीविका, इन्दौर
अमिता-अजय जैन
1ली - ए2

देशना, विदिशा
सुनीता-धर्मेन्द्र जैन
2री - ए2

अम्बर, झाँसी
विनीता-अमित जैन
3री - ए1

प्राची, इन्दौर
अनीता-प्रमोद जैन
3री - ए1

अविरल, जबलपुर
वर्षा-अखिलेश जैन
3री - ए1

हर्षिल, इन्दौर
तारिका-पीयूष जैन
3री - ए1

मानस, इन्दौर
सोनम-अतुल जैन
3री - ए2

खुशी, गंजबासौदा
भारती-पंकज जैन
3री - ए

चैतन्या, इन्दौर
रौशनी-रूपेश जैन
3री - ए

देशना, जबलपुर
निहारिका-रत्नेश जैन
3री - ए

पवित्र, तालबेहट
नीतू-विकास जैन
3री - बी1

सेजल, उज्जैन
सपना-विश्वास जैन
4थी - ए1

अवधि, इन्दौर
सीमा-नवीन जैन
4थी - ए1

विदेश, इन्दौर
रेशू-निशांत जैन
4थी - ए+

श्रेया, ग्वालियर
अंशू-मनीष जैन
4थी - 96%

महक, विदिशा
मोहिनी-राकेश जैन
4थी - ए2

अनुष्का, इन्दौर
शीतल-अंकित जैन
4थी - ए2

भाषित, इन्दौर
श्वेता-सुशील जैन
4थी - ए

दीर्घा, इन्दौर
हेमा-सचिन जैन
4वी - ए

अक्षत, इन्दौर
श्वेता-अनंत जैन
4वी - ए

अविचल, नसीराबाद
निधि-अमित जैन
5वी - 9.8 सीजीपीए

अक्षिता, इन्दौर
सोनू-महेन्द्र जैन
5वी - ए+

पावन, इन्दौर
प्रीति-संदीप जैन
5वी - ए1

अक्षत, विदिशा
सुमन-आनंद जैन
5वी - ए1

अवनी, झाँसी
विनीता-अमित जैन
5वी - ए1

अर्चिशा, इन्दौर
प्रीति-आनंद जैन
5वी - ए1

अर्चिनी, इन्दौर
प्रीति-आनंद जैन
5वी - ए1

तीर्थेश, इन्दौर
रोशनी-रूपेश जैन
5वी - ए2

आर्या, ललितपुर
नेहा-अभिषेक जैन
5वी - 89.6%

कशिश, इन्दौर
आराधना-नीलेश जैन
6टी - ए1

शौर्य, जबलपुर
मंजु-अपूर्व सेठ
6टी - ए1

संचिता, इन्दौर
निधि-जितेन्द्र जैन
6टी - ए1

सुमित, पन्ना
मंजुला-प्रदीप जैन
6टी - ए1

अनवी, उज्जैन
प्रतिभा-आशीष जैन
6टी - ए1

आर्जव, देवास
विनय जैन
6टी - ए2

अनन्य, अहमदाबाद
रश्मि-आलोक जैन
6टी - ए

प्रेक्षा, इन्दौर
रक्षा-प्रवीण जैन
6टी - बी1

सलोनी, अहमदाबाद
उमेश कुमार जैन
7वी - ए+

मिली, अहमदाबाद
साधना-देवेन्द्र जैन
7वी - ए+

लक्ष्य, विदिशा
सुमन-आनंद जैन
7वी - ए1

आश्वी, जबलपुर
वर्षा-अखिलेश जैन
7वी - ए1

रीत, इन्दौर
विनीता-आशीष जैन
7वी - ए2

अपूर्वा, गंजबासौदा
भारती-पंकज जैन
7वी - ए

अक्षत, ग्वालियर
अंजली-आनंद जैन
8वी - ए1

आदित्य, भोपाल
रश्मी-राजेश जैन
8वी - ए1

माही, इन्दौर
पद्मा-मनोज जैन
8वी - 90.3%

दीक्षा, भोपाल
सपना-राजेश जैन
8वी - ए2

राजुल, विदिशा
सुनीता-धर्मेन्द्र जैन
8वी - बी1

सम्यक, उज्जैन
विश्वास जैन
9वी - ए2

यश, इन्दौर
संगीता-हेमन्त जैन
9वी - ए2

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ....

रिया, जबलपुर
सविता-रीतेश जैन
9वी - 86%

चार्मी, इन्दौर
रेशू-निशांत जैन
9वी - बी1

पारस, इन्दौर
साधना-प्रदीप जैन
9वी - बी1

नयन, नरवर
रागिनी-दिनेश जैन
10वी - 93.6%
बोर्ड

रितिका, जबलपुर
सविता-रितेश कुमार जैन
10वी - 92%
बोर्ड

श्रुति, गेहबा
संध्या-बसंत जैन
10वी - 89%
बोर्ड

सत्या, गढ़िया
सन्जना-संजय जैन
10वी - 87%
बोर्ड

अंशिका, ललितपुर
रचना-संजय जैन
10वी - 85%
बोर्ड

अनुष्का, टेहरका
अन्जना-आनंद जैन
10वी - 84.4%
बोर्ड

संयम, इन्दौर
शिल्पा-शैलेन्द्र जैन
10वी - 70.2% बोर्ड

प्रांजल, इन्दौर
रक्षा-प्रवीण जैन
10वी - 92.6%
सीबीएसई

संस्कृति, भोपाल
अर्चना-मनोज कुमार जैन
10वी - 92.4%
सीबीएसई

मैत्री, इन्दौर
पूर्णिमा-भरतेश जैन
10वी - 90.4%
सीबीएसई

सौम्या, विदिशा
सुनीता-धर्मेन्द्र जैन
10वी - 89.8%.
सीबीएसई

विधि, विदिशा
आभा-अमित जैन
10वी - 86.4%
सीबीएसई

आशिता, इन्दौर
स्मृति-संजय जैन
10वी - 83.6%
सीबीएसई

प्रियल, झाँसी
सारिका-अरुण कुमार जैन
10वी - 80.1%
सीआईएससीई

अनुष्का, खरगोन
डॉ. कीर्ति-अनुराग जैन
11वी - 82.5%

सम्यक, इन्दौर
सुषमा-सुधीर जैन
11वी - 78%

स्वस्ति, भोपाल
सविता-अशोक कुमार जैन
11वी - 75.3%

भूमि, विदिशा
मोहिनी-राकेश जैन
11वी - 69.6%

सुव्रत, कानपुर
वन्दना-सुधीर कुमार जैन
12वी - 84%
बोर्ड - गणित

स्मित, विदिशा
आभा-अमित जैन
12वी - 83.2%
बोर्ड - गणित

प्रतीक, भोपाल
रंजना-राकेश जैन
12वी - 89.8%
सीबीएसई - गणित

संस्कार, इन्दौर
अनुपमा-रजनीश जैन
12वी - 88.8%
सीबीएसई - गणित

अनीशा, इन्दौर
मिली-सुशील जैन
12वी - 87.4%
सीबीएसई - गणित

संविता, इन्दौर
नीतू-सुधीर जैन
12वी - 86%
सीबीएससी-गणित

सादगी, अहमदाबाद
देवेन्द्र जैन
12वी - 89.2%
बोर्ड - कॉमर्स

अविजीत, दमोह
रजनी-आलोक जैन
12वी - 86.4%
बोर्ड - कॉमर्स

आयुषी, वर्धा
अन्जना-स्वतंत्र जैन
12वी - 78.2%
बोर्ड - कॉमर्स

अमीशा, इन्दौर
अर्चना-नितिन जैन
12वी - 90.8%
सीबीएसई - कॉमर्स

आशिका, जबलपुर
रक्षा-राजीव जैन
12वी - 78.8%
सीबीएसई - कॉमर्स

स्वस्ति, झाँसी
राखी-प्रवीनकुमार जैन
12वी - 86.6%
सीआईएससीई - कॉमर्स

प्रविष्टि, ललितपुर
ममता-प्रसन्न जैन
12वी - 81.5%
सीआईएससीई - बायो

108 मिनट की फिल्म में दिखाई संयम यात्रा

अनूप जैन, कानपुर । संयम स्वर्ण सत्संग समिति के तत्वावधान में संत शिरोमणि 108 आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म "**विद्योदय**" 70 नगरों के सैकड़ों सिनेमाघर में दिखाई गई । 108 मिनट की फिल्म में उनकी संयम यात्रा को दर्शाया गया । दिखाया गया कि आचार्यश्री ने किस तरह दीक्षा ली और उनकी प्रेरणा से उनके घर वाले भी उसी रास्ते में चलने लगे । आचार्यश्री की दीक्षा के 50 साल पूरे होने पर संयम स्वर्ण सत्संग महोत्सव संपूर्ण विश्व में धूमधाम से मनाया गया । देश के 70 शहरों पर एक साथ फिल्म का प्रसारण किया गया । फिल्म देखने के लिए सभी शहरों में जैन समुदाय में हर्षोल्लास का वातावरण रहा । पूरे भारत वर्ष में विद्यासागरजी महाराज के संयम स्वर्ण महोत्सव पर मंदिरजी में विशेष रंगारंग रोशनी की गयी । इस फिल्म में दिखाया गया कि आचार्य श्री विद्यासागरजी का जन्म 10 अक्टूबर 1946 को कर्नाटक के सदलगा ग्राम में जिला बेलगाम में हुआ । उन्होंने मुनि ज्ञानसागर महाराज से 30 जून 1968 को अजमेर में दीक्षा ली थी । उनके मुनि

बनने के बाद दो बहनों ने ब्रह्मचारी रहने का संकल्प लिया । उनके दो भाई भी मुनि बन गए । उन्होंने भक्तों को संदेश देते हुए कहा कि एक बार ही खाना खाना चाहिए । जैन मुनि 108 प्रकार के पापों को छोड़ते है इसलिए उनके आगे 108 लगाया जाता है । अक्सर लोग पूछते है कि जो कम खाते हैं, कम सोते है पर शरीर की आभा तेज होती है । तो इस फिल्म में बताया गया कि मुनि अहिंसा और करुणा का पालन करने वाले होते हैं । उनका शरीर और मुख चमकता है । फिल्म में संदेश दिया गया कि जियो और जीने दो अर्थात् राग-द्वेष रहित संयम से जीवन व्यतीत करे । देश के 45 गांवों में हुई फिल्म की शूटिंग - तीन साल में 108 मिनिट की तैयार हुई फिल्म । देश के दिल्ली, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, मध्यप्रदेश के 45 गांवों में शूटिंग हुई । फिल्म के सूत्रधार प्रसिद्ध अभिनेता आलोक नाथ और कथनों को आरडी तेलंग ने लिखा है । स्व. रविन्द्र जैन के नमामि चौपाई को सम्मिलित किया गया है । इसकी निर्देशिका और निर्माता विधि कासलीवाल हैं ।

परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद

प्रधान संपादक
सिंघई राजेन्द्र जैन, 9424013136

सह संपादिका
श्रीमती अनुपमा-रजनीश जैन, 9009066884
श्रीमती साधना-सुनील जैन, 8602696165

कोषाध्यक्ष
सुधेशकुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्रकुमार जैन, सायकलवाले 9425353972
खुशालचंद जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227

संयोजक एवं प्रकाशक
बाहुबली जैन, 9827247847

समाज के श्रेष्ठीजनों से पुन: सादर अनुरोध है कि समाज की एकमात्र सामाजिक पत्रिका गोलालारीय दर्शन के निरंतर प्रकाशन के लिए आप शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक, संरक्षक, विशेष सहयोगी बनकर पत्रिका को आर्थिक संबल प्रदान करें।

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

विशेष सहयोगी

अनिल कुमार ज्ञानचंद जैन, गंजबासौदा

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
सहयोगी सदस्य	1100/-
सहयोग राशि	500/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC Code: SBIN0030134 में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट - 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	300/-

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु गोलालारीय दर्शन 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर अथवा श्री राजेन्द्रकुमार जैन हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड़, इन्दौर पर भेंजे।

सेवा कार्य में उम्र कोई बंधन नहीं

साधना जैन, भोपाल। समाज में जरुरतमंदो की सेवा करने का जज़्बा लिये परोकारिणी महिला मंडल की पांच महिलाओं ने हाल ही मे तपती तेज धूप में ट्रेन के यात्रियों को मठ्ठा और ठंडा पानी बांटकर दिखा दिया कि सेवा के लिए उम्र नहीं होती। ग्रुप की महिलाएं 48 से 65 साल तक ही है। जिन्होंने पिछले दिनों हबीबगंज रेलवे स्टेशन में भरी दुपहरी में जाकर ट्रेन के यात्रियों को मट्ठा और ठंडा पानी बांटा। इस ग्रुप की महिलाओं की एक खास बात और है कि जो मट्ठा इन महिलाओं ने जाकर यात्रियों को बांटा है वह घर पर तैयार किया गया है। सदस्या अमिता जैन ने बताया कि 30 किलो मट्ठा घर पर तैयार किया गया था। इसको बोलतों में भरकर बर्फ से कवर करके रखा गया। अमिता का कहना है कि वह अब हर गुरुवार को इसी तरह सेवा का कार्य करेगी। ग्रुप की महिलाएं पिछले कई वर्षों से समाजसेवा के क्षेत्र में नि:स्वार्थ भाव से कार्य कर रही है। गरीब बच्चों को शिक्षा सामग्री बांटना, मरीजों को फल व कंबलो का वितरण करना, महिलाओं को योगा सिखाना आदि कार्य किए जाते है। खास बात यह है कि ये महिलाएं खुद के खर्च से यह काम कर रही है।

प्रभावक व्यक्तित्व और प्रतिभा के धनी थे पंडित उत्तमचंदजी 'राकेश'

ललितपुर नगर के वयोवृद्ध, वणीभूषण पं. उत्तमचंदजी जैन 'राकेश' का पिछले दिनों स्वर्गवास हो जाने से गोलालारीय जैन समाज ने धर्मप्रेमी, समाजप्रेमी, प्रभावशाली व्यक्तित्व खो दिया है। आपकी उल्लेखनीय सेवाओं को हमेशा याद किया जायेगा। आपका निधन विद्वत जगत की अपूरणीय क्षति है।

आपने जैन जगत की निष्ठापूर्वक सेवा की है। आपके योगदान को देखते हुए शास्त्री परिषद ने 2006 में पं. स्वरुपचंद शास्त्री स्मृति पुरस्कार से छपारा में अंलकृत किया था। आप विद्वान के साथ साथ सफल प्रवक्ता, लेखन, प्रवचनकार भी थे। संस्कृत प्रवक्ता के रुप में आपने वर्णी जैन इंटर कॉलेज में अपनी सेवाएं प्रदान की। आपका व्यक्तित्व बहुआयामी था। आपने रत्नकरण्ड श्रावकाचार की ढूंढ़ारी भाषा का हिन्दी अनुवाद और पं. आशाधरजी कृत चरचा शतक का हिन्दी अनुवाद भी किया था।

श्री उत्तमचंदजी राकेश जैन धर्म के मर्मज्ञ विद्वान होने के साथ ही समाज की धार्मिक संस्थाओं के विभिन्न पदों पर आसीन रहे। पं. उत्तमचंदजी जैन 'राकेश' विद्वानों की प्रमुख संस्था अ.भा. भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्री परिषद के उपाध्यक्ष और संरक्षक, दि. जैन पंचायत के शिक्षामंत्री, ललितपुर धार्मिक एवं पुण्यार्थी औषधालय ललितपुर के 40 वर्षों तक महामंत्री एवं विगत चार वर्षों से अध्यक्ष पद पर, स्याद्वाद शिक्षण परिषद सोनागिरी के महामंत्री, जैन वीर सेवा संघ एवं जैन वीर व्यायामशाला के संरक्षक पद पर अपनी मृत्युपर्यंत तक आसीन रहे। दिगम्बर जैन महासभा के बुंदेलखंड क्षेत्र के लगातार 20 वर्षों तक अध्यक्ष, दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद के सदस्य, श्री देवगढ़ मैनेजिंग कमेटी के उपाध्यक्ष पदों पर आसीन रहे। ललितपुर जिले में होने वाले समस्त धार्मिक कार्यक्रमों में उनकी विद्वता पूर्ण उपस्थिति सदैव रही तथा उनके सानिध्य में होने वाले समस्त धार्मिक कार्यक्रम निर्विघ्न संपन्न हुए। उनके जाने से समाज की अपूर्णीय क्षति हुई उसे कभी भी पूरा नहीं किया जा सकता है। आपकी कमी सदैव महसूस होती रहेगी। आपका व्यक्तित्व बहुआयामी था। आप सादगी पसंद इंसान थे। धर्म के प्रचार प्रसार में अपना जीवन समाज को समर्पित कर दिया था। गोलालारीय दर्शन परिवार भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

श्रीमती कपूरीदेवी जैन - जीवन के अंतिम समय तक धर्म में ओत प्रोत रही

स्व. पं. सुखनंदन जैन की धर्मपत्नी एवं टाइम्स ऑफ इंडिया के पत्रकार श्री स्वराज जैन की माताश्री श्रीमती कूपरीदेवी जैन का स्वर्गवास 14 मई 2018 को धर्मध्यान करते हुए बड़े ही शांत निर्मल परिणामों के साथ 96 वर्ष की उम्र में हुआ। श्रीमती कपूरीदेवी ने बड़े ही धैर्यपूर्वक अपने सभी पुत्रों को एकता के सूत्र में पिरोये रखा और माता-पिता दोनों का ही कर्त्तव्य स्वयं निभाते हुए उनमें अपने अनुरुप ही धर्म संस्कारों का रोपण किया। मृत्यु दिवस पर भी करीब दो घंटे माताजी को धर्ममय वातावरण में अनेक सूत्र, धर्म चर्चायें की। मुनिश्री प्रणम्य सागरजी एवं चन्द्रसागरजी के मुख से मंगल शब्द भी उन्हें सुनायें गये और भगवान शांतिनाथ के 3-3 कल्याणक दिवस पर ही उन्होंने शांत परिणामों से शरीर का त्याग किया। यही है गृहस्थ का समाधिमरण। आप 96 वर्ष की उम्र तक शुद्धता से जीवन यापन किया। आप बिल्कुल स्वस्थ थी और किसी प्रकार की अशुद्ध दवाई का आपने सेवन नहीं किया। शुद्ध भोजन, शुद्ध दिनचर्या, परिणाम एकदम शांत-निर्मल थे। उनका जीवन बहुत ही महत्वपूर्ण और सीखने लायक था। मृत्यु का अर्थ है कि आत्मा और शरीर का अलग हो जाना है। धर्मात्मा की मृत्यु कदापि भी शोक का विषय नहीं है। माताजी ने बहुत अच्छे से धर्म-ध्यान किया, परिवार को अच्छे संस्कार दिये। जैन प्रचारक परिवार अम्माजी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनकी आत्मा के लिए शाश्वत शांति तथा उनके चारों पुत्ररत्न सर्वश्री स्वराज जैन (टाइम्स ऑफ इंडिया), जैनेन्द्र जैन (जेडी), ई. अरुण जैन एवं अनिल जैन को इस कठिन घड़ी में धैर्य प्रदान करने की प्रभु से प्रार्थना करता है।

* विनम्र श्रद्धांजली *

दिल्ली के जाने माने न्यूरो सर्जन डॉ. अनिल कुमार जैन सुपुत्र डॉ. बाहुबलि कुमार जैन (ललितुपरवाले) का 24 अप्रैल 2018 को अल्पायु में आकस्मिक निधन हो गया। डॉ. जैन अत्यंत मृदुभाषी, धार्मिक विचारों से ओतप्रोत, समर्पित व्यक्तित्व के धनी थे। आप अपने ही जैन न्यूरो हॉस्पिटल, जागृति इन्क्लेव दिल्ली में वरिष्ठ चिकित्सक थे। आप उदारवादी चिकित्सक होने के साथ-साथ समाज के कार्यों के उत्थान के लिए सदैव तत्पर रहते थे। आपका पूरा परिवार समाज के कार्यों में अग्रसर होकर अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन कर रहा है।

श्री ऋषि कुमार जैन के पिताजी **श्री वीरेन्द्रकुमार जैन** का देवलोकगमन दिनांक 22 मई को इन्दौर में हो गया है। आप सरल स्वभावी, मितभाषी व्यक्तित्व के धनी थे। आपकी स्मृति में परिजनों ने गोलालारीय समाज को मंदिरजी हेतु 1100/- दान स्वरुप भेंट किये।

स्व. श्री महावीर प्रसाद जैन की धर्मपत्नी एवं श्री राजेन्द्र प्रसाद जैन व श्री संजय जैन की माताजी **श्रीमती कमलाबाई जैन** का देवलोकगमन 27 मई को हो गया है। आप धार्मिक स्वभाव की महिला थी। आपकी स्मृति में परिजनों ने गोलालारीय समाज को 11000/- एवं गोलालारीय दर्शन पत्रिका को 2100/- दान स्वरुप भेंट किये।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

जैन समाज के विरोध के बाद भेड़ बकरी निर्यात कार्यक्रम रद्द

प्रकाश जैन, नागपुर। संतरा नगरी के डॉ. बाबासाहब आंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय विमानतल से पहली बार भेड़-बकरियां निर्यात करने के कार्यक्रम को जैन के विरोध प्रदर्शन के कारण रद्द कर दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ 30 जून को मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस व केन्द्रीय मंत्री नितिन गड़करी के हाथों होना था लेकिन जैन समाज द्वारा इसे पशुओं की हिंसा को बढ़ावा देते हुए तीव्र विरोध किया गया था। समाज की भावना को देखते हुए फिलहाल कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है।

सकल जैन समाज ने रैली निकालकर किया विरोध -इससे पहले जैन समाज ने सड़कों पर उतरकर सरकार के निर्णय का तीव्र विरोध किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय अर्थात नागपुर शहर से भेड़-बकरियों का निर्यात करने का निर्णय का जैन राजनैतिक चेतना मंच और सकल जैन समाज ने सख्त विरोध किया है। इस निर्णय को पीछे लेने की मांग करते हुए मंच की अध्यक्ष डॉ. रिचा जैन के नेतृत्व में शहीद चौक से रेशमबाग चौक तक मार्च निकाला गया। रैली के दौरान जैन समाज के लोगों ने अपने हाथ में फलक लिए थे। जिसमें इसे हिंसा को बढ़ावा देने वाला कदम बताते हुए निर्णय का विरोध किया गया। बारिश के बीच यह रैली निकालकर प्रदर्शन किया गया।

नवदाम्पत्य की हार्दिक शुभकामनाएँ...

चि. अनुज

सुपौत्र : श्रीमती सुशीलादेवी-हीरालाल जैन
सुपुत्र : श्रीमती भारती-जिनेन्द्र कुमार जैन सिंघई, इन्दौर

संग

सौ.कां. सुरभि

सुपौत्री : श्रीमती रुक्मणी-श्री वासुदेवजी पारिक
सुपुत्री : श्रीमती सीमा-श्री सतीशजी पारिक, सिंघाना

का **शुभ विवाह**

दिनांक 2 जून 2018 को निर्वाणा गार्डन में साआनंद संपन्न हुआ।

प्रतिष्ठान - * राजेश आटो पार्ट्स * राजेश ऑटो (बजाज) * सुशीला देवी जैन गर्ल्स हॉस्टल * सुशीला देवी जैन गर्ल्स हॉस्टल, अनूप नगर

1. 001
2. **नितिन राजेन्द्र जैन**
3. पंचरतन/फणीश
4. 18.10.1985
5. 10.15
6. विदिशा
7. बी.ई. (सी.एस)
8. 5'9''
9. गोरा
10. सर्विस
11. 2.40 लाख
12. -
13. नहीं
14. 117, टीचर्स कालोनी, अर्जुन नगर विदिशा
15. 9425640918, 8720010211

1. 002
2. **सिद्धांत राजेश मानोरिया**
3. मानोरिया/-
4. 11.12.1991
5. 9.50
6. विदिशा
7. बी.ई. (इलेक्टॉनिक)
8. 5'8''
9. गोरा
10. सर्विस-बर्ल्ड पे, इन्दौर
11. 7.00 लाख
12. हाँ
13. -
14. डी-131, अरिहंत हिल्स, अरिहंत विहार कालोनी, विदिशा
15. 9406522444, 7999799554

1. 003
2. **मयंक कुमार सुभाषचंद्र जैन**
3. पंचरतन/रकिया मूरी
4. 07.10.1991
5. 6.00
6. पिपरई, अशोकनगर
7. बी.ई (आई.टी), एम.टेक
8. 5'6''
9. गोरा
10. स्कूल संचालक - पिपरई
11. 6 अंको में
12. हाँ
13. नहीं
14. क्लॉथ मर्चेन्ट, पुराना बाजार, पिपरई जिला अशोकनगर
15. 8120938700, 8269201734
16. mayankjainit1234@gmail.com

1. 004
2. **दिव्यांश (सौरभ) संतोष जैन**
3. जमोरिया/फणीश
4. 29.06.1989
5. 5.55
6. विदिशा
7. बी.कॉम, एम.बी.ए.
8. 5'8''
9. गोरा
10. व्यवसाय
11. 3.00 लाख
12. -
13. -
14. 318, फेस-1, अरिहंत विहार कालोनी विदिशा
15. 9993966833, 9806920997

1. 005
2. **सत्येन्द्र कुमार विनोद कुमार जैन**
3. बिलौआ/गुडारे
4. 10.10.1988
5. 7.59
6. -
7. एमबीए, JCHNP
8. 5'6''
9. गोरा
10. सर्विस
11. 4.20 लाख
12. हाँ
13. -
14. चन्द्रनगर जिला छतरपुर
15. 9685683379, 9981870058
16. satyendrajain88@gmail.com

1. 006
2. **सौरव विजयकुमार जैन**
3. पटवारी/बिलउआ
4. 10.08.1991
5. 06.00
6. -
7. एम.टेक
8. -
9. -
10. सर्विस-वोडाफोन
11. 4.80 लाख
12. हाँ
13. -
14. नौगांव, छतरपुर
15 9755448454, 9713018416

1. 007
2. **धर्मेन्द्रकुमार विनोदकुमार जैन**
3. बिलउआ/गुडारे
4. 09.07.1985
5. 21.45
6. -
7. मेकेनिकल इंजीनियर
8. 5'4''
9. गेहुँआ
10. सर्विस
11. 4.80 लाख
12. हाँ
13. -
14. चन्द्रनगर जिला छतरपुर
15. 9685683379, 8882359303

1. 009
2. **शुभम सुशीलकुमार जैन**
3. फणीश/वैद्य
4. 07.03.1993
5. 6.10
6. -
7. एम.सी.ए
8. 5'2''
9. गोरा
10. सर्विस-नोएडा
11. 5.00 लाख
12. -
13. -
14. नया बस स्टेण्ड मेन रोड़ तालबेहट, ललितपुर
15 9532529616, 8890704600

1. 010
2. **इंजी. अभिषेक अजितकुमार जैन**
3. फणीश/पंचरतन
4. 11.09.1992
5. 00.20
6. -
7. -
8. 5'8''
9. गोरा
10. शा. सर्विस - झारखंड
11. -
12. -
13. -
14. लोहा मंडी के पास, तालबेहट जिला ललितपुर
15. 7897025047, 9630684463

1. 011
2. **रवीश रवीन्द्र कुमार जैन**
3. सिंघई/धमसैया
4. 23.08.1990
5. 14.37
6. झांसी
7. बी.टेक (आई.टी.)
8. 5'8''
9. गेहुँआ
10. सर्विस-डेल इंडिया, बैंगलोर
11. 7.00 लाख
12. -
13. -
14. बी-19, शिव गणेश कॉलोनी झाँसी
15. 9451832713, 9827739279

1. 011
2. **विजीत रवीन्द्र कुमार जैन**
3. सिंघई/धमसैया
4. 22.06.1988
5. 18.10
6. झांसी
7. बी.बी.ए (मार्केटिंग)
8. 5'7''
9. गेहुँआ
10. सर्विस टोयोटा मोटर्स
11. 4.00 लाख
12. हाँ
13. आंशिक
14. बी-19, शिव गणेश कॉलोनी झाँसी
15. 9451832713, 9827739279

1. 008
2. **गरिमा स्वतंत्र पंचरतन**
3. पंचरतन/गुडारे
4. 20.03.1992
5. 9.15
6. खुरई
7. एम.बी.ए
8. 5'4''
9. गोरा
10. -
11. -
12. हाँ
13. -
14. नेहरु वार्ड, ऑफिसर कॉलोनी खुरई जिला सागर
15. 8719996242, 9425452591

पत्र संपादक के नाम - आपके द्वारा समाज को जोड़ने व इस तरह से बच्चों को प्रोत्साहित करने हेतु बहुत बहुत धन्यवाद व साधुवाद। - अपूर्व सेठ, जबलपुर

गोलालारीय दर्शन समाज के 4500 परिवारों तक नियमित भेजा जा रहा है। संभव है डाक व्यवस्था या आपका पता सही न होने के कारण पत्रिका आपको व आपके रिश्तेदारों तक पत्रिका नहीं पहुंचती है तो उनका नाम व पता पोस्टकार्ड पर लिखकर पत्रिका कार्यालय पर भेज देवें या 9424013136 पर दोप. 4 से रात्रि 10 तक संपर्क कर सकते है या अपने पता का एसएमएस कर सकते है।

विनम्र श्रद्धांजली

सख्त राहों में आसान सफर लगता है
ये मेरी माँ की दुआओं का असर लगता है

वीर प्रभु से प्रार्थना है कि हमारी माताजी की आत्मा को शांति प्रदान करें।

स्व. कमला बाई जैन

अरिहंत शरण दि. 27.05.2018 (78 वर्ष)

शोकाकुल भण्डारी परिवार

नेमीचन्द जैन

राजेन्द्र-कविता	(पुत्र-पुत्रवधु)
संजय-ज्योति	(पुत्र-पुत्रवधु)
अरिहंत	पौत्र
चित्रांशी, खुशी	पोती
रजनी वेद	बेटी
चर्चित, प्रियांश	नाती
साक्षी वेद	नातिन

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, सम्पादक मण्डल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।

स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रकाशित प्रतीक्षा ग्राफिक्स127, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौर से मुद्रित एवं ग्राफिक्स ज़ील कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित